



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-9] रुड़की, शनिवार, दिनांक 12 जनवरी, 2008 ई० (पौष 22, 1929 शक सम्वत्) [संख्या-02

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चयन
		रु०
सम्पूर्ण गजट का मूल्य	—	3075
भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	11-16	1500
भाग 1-क-नियम, कार्य विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	3-9	1500
भाग 2-आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण	—	975
भाग 3-स्थायित शासन विभाग का क्रोड-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निर्देश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया	—	975
भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड	—	975
भाग 5-एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड	—	975
भाग 6-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट	—	975
भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां	—	975
भाग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि	—	975
स्टोर्स पर्वज-स्टोर्स पर्वज विभाग का क्रोड पत्र आदि	—	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

वित्त विभाग

अधिसूचना

27 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 796/XXVII(8)/वाणि० कर (वैट)/2007-उत्तरांचल मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम सं० 27, वर्ष 2005) की धारा 54 की उपधारा (2) संप्रति उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम, 1948) अनुकूलन एवं संपान्तरण आदेश, 2002 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, तत्कालिक प्रभाव से, श्री टी०सी० तिवारी, सदस्य (विभागीय) वाणिज्य कर अधिकरण, हल्द्वानी पीठ को अपीलीय अधिकरण के न्यायिक कार्यों के निष्पादन हेतु सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,

आलोक कुमार जैन,
प्रमुख सचिव, वित्त।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the notification no. 796/XXVII(8)/Vanijya kar(VAT)/2007, dated 27 December, 2007 for general information.

NOTIFICATION

December 27, 2007

No. 796/XXVII(8)/Vanijya kar(VAT)/2007--In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 54 of the Uttaranchal Value Added Tax Act, 2005 (Act No. 27 of 2005) read with clause (a) of sub-section (1) of section 10 of the Uttaranchal (Uttar Pradesh Trade Tax Act, 1948) Adaptation and Modification Order, 2002 the Governor is pleased to allow Sri T.C. Tiwari, Member (Departmental) Commercial Tax Tribunal, Haldwani Bench, to perform the judicial functions of the Appellate Tribunal with immediate effect.

By Order,

ALOK KUMAR JAIN,
Principal, Secretary, Finance.

पशुपालन अनुभाग-1

कार्यालय-ज्ञाप

28 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 636/XV-1/2(58)/2005-पशुपालन विभाग में पशुचिकित्साधिकारी के रिक्त पदों पर प्रोन्नति द्वारा चयन हेतु दिनांक 7 नवम्बर, 2007 को सम्पन्न चयन समिति की बैठक के क्रम में सचिव, उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार के पत्र संख्या-34/12/डी०पी०सी०/2007-08, दिनांक 20 नवम्बर, 2007 से प्राप्त संस्तुति के आधार पर श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित पशुघन प्रसार अधिकारियों को वेतनमान रुपये 4000-6000 से पशुचिकित्साधिकारी, वेतनमान रुपये 8000-13500 के पद पर तात्कालिक प्रभाव से प्रदोन्नति करते हुए निम्न प्रकार तैनात किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र०सं०	नाम/पदनाम	तैनाती का स्थान
1.	डा० दिनेश चन्द्र सेमवाल, पशुचिकित्साधिकारी	पशुचिकित्सालय, चन्द्रापुरी, रुद्रप्रयाग
2.	डा० लाल सिंह सामन्त, पशुचिकित्साधिकारी	पशुचिकित्सालय, झुलाघाट, पिथौरागढ़

उक्त पशु निक्सिाधिकारी तत्काल नई तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करते हुए कार्यभारक प्रमाणक शासन को सपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

उक्त पदधारकों को समय-समय पर शासन द्वारा अनुमन्य महंगाई भत्ता व अन्य भत्ते देय होंगे।

आज्ञा से,

विभा गुरी दास,

प्रमुख सचिव, एवं आयुक्त।

वित्त अनुभाग-8

वित्त/स्थानान्तरण/समायोजन

31 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 770/XXVII(a)/वाणि० कर/2007-तात्कालिक प्रभाव से श्री हरीश चन्द्र मट्ट, डिप्टी कमिश्नर (क०नि०)-1, वाणिज्य कर, हरिद्वार का स्थानान्तरण डिप्टी कमिश्नर (क०नि०)-5, वाणिज्य कर, देहरादून के रिक्त पद पर करते हुए डिप्टी कमिश्नर (क०नि०)-6, वाणिज्य कर, देहरादून का अतिरिक्त प्रभार भी एतद्द्वारा प्रदान किया जाता है।

2-श्री हरीश चन्द्र मट्ट, डिप्टी कमिश्नर (क०नि०)-1, वाणिज्य कर, हरिद्वार के स्थानान्तरण से रिक्त डिप्टी कमिश्नर (क०नि०)-1, वाणिज्य कर, हरिद्वार का अतिरिक्त प्रभार श्री राकेश टण्डन, डिप्टी कमिश्नर (क०नि०)-2, वाणिज्य कर, हरिद्वार को प्रदान किया जाता है।

3-अतिरिक्त कार्य भार के लिये सम्बन्धित अधिकारियों को पृथक से कोई वेतन/भत्ते आदि देय नहीं होंगे।

उपर्युक्तानुसार स्थानान्तरित/समायोजित अधिकारी तत्काल अपनी नई तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करना सुनिश्चित करें।

आलोक कुमार जैन,

प्रमुख सचिव।

परिवहन अनुभाग-1

अधिसूचना

11 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 782/IX/228/2007-मोटरयान अधिनियम, 1988 (अधिनियम संख्या 59, वर्ष 1988) की धारा 68 की उपधारा (2), सपष्टित उत्तर प्रदेश मोटरयान नियमावली, 1998 (उत्तराखण्ड में यथा प्रवृत्त तथा समय-समय पर यथा संशोधित) के नियम 56 के उपनियम (8) के खण्ड (दो) तथा उपनियम (9) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, संभागीय परिवहन प्राधिकरण, पौड़ी में श्री जसपाल सिंह नेगी पुत्र श्री गौर सिंह नेगी, निकट विकास भवन, पौड़ी तथा श्री उमेश त्रिपाठी पुत्र स्व० रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी, स्टेशन रोड, कोटद्वार को, उक्त अधिनियम की धारा 68 की उपधारा (3) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तथा कर्तव्यों के निर्वहन के लिए, गैर सरकारी सदस्य के रूप में, इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए नामित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,

एस० रामास्वामी,
सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 782/IX/228/2007, dated 11 December, 2007 for general information :

NOTIFICATION

December 11, 2007

No. 782/IX/228/2007—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 68 of the Motor Vehicle Act, 1988 (Act No. 59 of 1988) read with the Clause (2) of sub-rule (8) and sub-rule (9) of rule 56 of the Uttar Pradesh Motor Vehicles Rules, 1998 (as amended from time to time and as applicable to the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to accord sanction to the nomination of Sri Jaspal Singh Negi S/o Sri Gaur Singh Negi, near Vikas Bhavan, Pauri and Sri Umesh Tripathi S/o Late Rameshwar Prasad Tripathi, Station Road, Kotdwar as non-official member in the Regional Transport Authority, Pauri to exercise the powers and discharge the duties conferred by sub-section (3) of section 68 of the said Act, for a period of two years with effect from the date of issue of this notification.

By Order,

S. RAMASWAMY,
Secretary.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

अधिसूचना

24 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 6774/X-2-2007-19(27)/2002—चूँकि, राज्य सरकार यह समझती है कि कार्बेट टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत समाविष्ट कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान का 820.82 वर्ग कि०मी० का क्षेत्र तथा सोनानदी वन्य जीव विहार का 301.17 वर्ग कि०मी० क्षेत्र कुल 821.99 वर्ग कि०मी० क्षेत्र का विशेष संरक्षण बाघ संरक्षण के उद्देश्य से अपरिहार्य है;

अतएव, वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 यथा संशोधित वर्ष 2006 की धारा 38 V के अधीन शक्ति का प्रयोग करके महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड कार्बेट टाइगर रिजर्व के उपरोक्त वर्णित 821.99 वर्ग कि०मी० क्षेत्र को "क्रान्तिक बाघ वासस्थल" (Critical Tiger Habitat) घोषित करते हैं।

यह आदेश उत्तराखण्ड राज्य के राजकीय गजट में प्रकाशन की तिथि से लागू होगा।

आज्ञा से,

सुब्रत विश्वास,
सचिव।

संस्कृति अनुभाग

कार्यालय ज्ञाप

24 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 589/VI-I/2007/01(03)2005—विश्वगीय पदोन्नति समिति द्वारा दिनांक 11-12-2007 को की गयी शस्तुति के आधार पर, राज्य अभिलेखागार में सहायक निदेशक, सरदारन एव प्रसारन (वेतनमान रुपये 6500 से 10500) में कार्यरत डा० लालता प्रसाद को उपनिदेशक राज्य अभिलेखागार, (वेतनमान रुपये 8550-14600) के एक रिक्त पद पर पदोन्नति प्रदान किये जाने पर श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—यह पदोन्नति उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत भारत सरकार से कार्मिकों के अन्तिम आवंटन के अन्तिम होगी अर्थात् अन्तिम आवंटन की दशा में यह पदोन्नति संशोधित/परिवर्धित की जा सकती है।

आज्ञा से,

राकेश शर्मा,
सचिव।

राजस्व विभाग

अधिसूचना

10 अक्टूबर, 2007 ई०

संख्या 150/18(1)/2007—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (अधिनियम संख्या 16, वर्ष 1927) की धारा 27 के अधीन घोषित आरक्षित वन भूमि, जिसे अधिसूचना संख्या, 195/7-1-2002-800(456)/1991, दिनांक 13 नवम्बर, 2002 द्वारा अनारक्षित वन भूमि घोषित किया गया था, का अधिक्रमण करते हुए उत्तर प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1901 (समय-समय पर यथा संशोधित एवं उत्तराखण्ड राज्य में यथा प्रवृत्त) की धारा 1 की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल जनपद ऊधमसिंह नगर की तहसील काशीपुर के ग्राम मानपुर, फिरोजपुर के खसरा नं०-216, रकबा 0.070 हे०, खसरा नं०-245, रकबा 0.405 हे०, खसरा नं०-313ख, रकबा 0.682 हे०, खसरा नं०-328, रकबा 105.543, अर्थात् कुल रकबा 106.700 हे० भूमि पर, अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से उक्त अधिनियम को विस्तारित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,

मंजुल कुमार जोशी,

अपर सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 150/18(1)/2007, dated 10 October, 2007 for general information.

NOTIFICATION

October 10, 2007

No. 150/18(1)/2007—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 1 of the Land Revenue Act, 1901 (as amended time to time and as applicable to the State of Uttarakhand) and in supersession of Notification No. 195/7-1-2002-800(456)/1991, dated 13 November, 2002, by which the forest land, reserved under section 27 of the Indian Forest Act, 1927 (Act No. 16 of 1927) was declared as unreserved forest land, the Governor is pleased to accord sanction to extend the said Act to the said land of khasra No. 216, area 0.070 hectare, khasra No. 245, area 0.405 hectare, khasra No. 313b, area 0.682 hectare, khasra No. 328, area 105.543 hectare i.e. total area 106.700 hectare in village Manpur, Firozpur of Tehsil Kashipur of District Udham Singh Nagar, with effect from the date of publication of this notification in the official Gazette.

By Order,

MANJUL KUMAR JOSHI,

Additional Secretary.



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 12 जनवरी, 2008 ई0 (पौष 22, 1929 शक सम्वत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञाएँ, विज्ञापियाँ इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

कार्यालय, आयुक्त कर, उत्तराखण्ड
(फार्म-अनुभाग)

विज्ञप्ति

28 नवम्बर, 2007 ई0

पत्रांक 2817/आयु0क0उत्तरा0/फार्म-अनु0/2007-08/आ0घो0प0/फार्म-सी/टिकट/खोया/चोरी/नष्ट हुए/दे0दून-उत्तर प्रदेश व्यापार कर नियमावली, 1948 (यथा उत्तराखण्ड में लागू) के नियम 85 के उपनियम (12) सहपठित उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर अध्यादेश, 2005, नियम 31(8) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके, मैं, आयुक्त कर, उत्तराखण्ड, निम्नलिखित सूची में उल्लिखित आयात घोषणा पत्र/फार्म-सी/फार्म-एफ/टिकट जिनके खो जाने/चोरी हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध में नियम 85 के उपनियम (9) के अन्तर्गत सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, को तत्कालिक प्रभाव से अवैध घोषित करता हूँ :-

क्र0सं0	व्यापारी का नाम व पता	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों की संख्या	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों/टिकटों का क्रमांक
1.	सर्वश्री बरार सीडर्स प्रा0 लि0, बाजपुर	आयात घोषणा पत्र संख्या-01	U.A.VAT-A(T)-2006 क्रमांक-047093

01 दिसम्बर, 2007 ई0

पत्रांक 2869/आयु0क0उत्तरा0/फार्म-अनु0/2007-08/आ0घो0प0/फार्म-सी/टिकट/खोया/चोरी/नष्ट हुए/दे0दून-उत्तर प्रदेश व्यापार कर नियमावली, 1948 (यथा उत्तराखण्ड में लागू) के नियम 85 के उपनियम (12) सहपठित उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर अध्यादेश, 2005, नियम 31(8) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके, मैं, आयुक्त कर, उत्तराखण्ड, निम्नलिखित सूची में उल्लिखित आयात घोषणा पत्र/फार्म-सी/फार्म-एफ/टिकट जिनके खो जाने/चोरी हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध में नियम 85 के उपनियम (9) के अन्तर्गत सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, को तत्कालिक प्रभाव से अवैध घोषित करता हूँ :-

क्र0सं0	व्यापारी का नाम व पता	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों की संख्या	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों/टिकटों का क्रमांक
1.	सर्वश्री टू मैन्स बिजनेस, आर्गेनाइजेशन, गोल्वा, कम्पाउण्ड, हल्द्वानी	आयात घोषणा पत्र संख्या-01	U.A.VAT-A(T)-2006 क्रमांक-119719

11 दिसम्बर, 2007 ई०

पत्रांक 3009/आयु०क०उत्तरा०/फार्म-अनु०/2007-08/आ०घो०प०/फार्म-सी/टिकट/खोया/चोरी/नष्ट हुए/दे०दून-उत्तर प्रदेश व्यापार कर नियमावली, 1948 (यथा उत्तराखण्ड में लागू) के नियम 85 के उपनियम (12) सहपठित उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर अध्यादेश, 2005, नियम 31(8) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके, मैं, आयुक्त कर, उत्तराखण्ड, निम्नलिखित सूची में उल्लिखित आयात घोषणा पत्र/फार्म-सी/फार्म-एफ/टिकट जिनके खो जाने/चोरी हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध में नियम 85 के उपनियम (9) के अन्तर्गत सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, को तत्कालिक प्रभाव से अवैध घोषित करता हूँ :-

क्र०सं०	व्यापारी का नाम व पता	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों की संख्या	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों/टिकटों का क्रमांक
1.	सर्वश्री सिद्ध इन्टरप्राइजेज, रुद्रपुर	प्ररूप-16 (आ०घो०प०)-02	U.A.VAT-A(T)-2006/176963 U.A.VAT-A(T)-2006/176964
2.	सर्वश्री कोरसा प्रिन्टर्स, पञ्चनगर	प्ररूप-16 (आ०घो०प०)-01	U.A.VAT-A(T)-2006/241745
3.	सर्वश्री आर०आर० होटल, बाजपुर रोड, काशीपुर	प्ररूप-16 (आ०घो०प०)-01	U.A.VAT-A(T)-2006/003726
4.	सर्वश्री जय जयराम जयमगवान, काशीपुर	प्ररूप-16 (आ०घो०प०)-01	U.A.VAT-A(T)-2006/165073
5.	सर्वश्री फाईबर माक्स पेपर्स लि०, जसपुर, काशीपुर	प्ररूप-16 (आ०घो०प०)-02	U.A.VAT-A(T)-2006/288365 U.K.VAT-A-2007/780355

28 दिसम्बर, 2007 ई०

पत्रांक 3232/आयु०क०उत्तरा०/फार्म-अनु०/2007-08/आ०घो०प०/फार्म-सी/टिकट/खोया/चोरी/नष्ट हुए/दे०दून-उत्तर प्रदेश व्यापार कर नियमावली, 1948 (यथा उत्तराखण्ड में लागू) के नियम 85 के उपनियम (12) सहपठित उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर नियमावली, 2005, नियम 30(12) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके, मैं, आयुक्त कर, उत्तराखण्ड, निम्नलिखित सूची में उल्लिखित आयात घोषणा पत्र/फार्म-सी/फार्म-एफ/टिकट जिनके खो जाने/चोरी हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध में नियम 85 के उपनियम (9) के अन्तर्गत सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, को तत्कालिक प्रभाव से अवैध घोषित करता हूँ :-

क्र०सं०	व्यापारी का नाम व पता	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों की संख्या	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों/टिकटों का क्रमांक
1.	श्री रामा एसोसिएट्स, रुद्रपुर	आयात घोषणा पत्र-01	U.A.VAT-A(T)-2006/036457

एल० एम० पन्त,
आयुक्त कर,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

कार्यालय, उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी, रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर

कार्यालय आदेश

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 190/कर-पंजीयन/यूए-06-7612/07-कार्यालय अगिलेखानुसार श्री राजपाल सिंह पुत्र श्री सदा सिंह, निवासी मानपुर, पो०-काशीपुर, ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या यूए-06-7612 (पुराना पंजीयन नम्बर-एनएल-05-ए-7612) के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चेसिस नम्बर-364046519196 तथा इंजन नम्बर-692 डी 02971615 है, की जांच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधाशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,

ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पन्नावली की जाँच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री राजपाल सिंह पुत्र श्री सदा सिंह, नि०-मानपुर पो०-काशीपुर, ऊधमसिंह नगर को दिनांक 27 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या यूए-06-7612 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

कार्यालय, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऊधमसिंह नगर

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 191/कर-पंजीयन/यूए०६-बी 6542/2007-कार्यालय अभिलेखानुसार श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री करम सिंह निवासी आदर्श कॉलोनी, मकान नम्बर बी 40, रुद्रपुर, जिला ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या यूए०६बी-6542 (पुराना नम्बर एनएल०२ए-९७९४) के पंजीकृत स्वामी हैं जिसका चैसिस नम्बर 380010 जेयूक्यू 729277 तथा इंजन नम्बर 897डी22जेयूक्यू784089 है, की जाँच परिवहन आयुक्त, उत्तराखण्ड के निर्देशानुसार इस विभाग के जाँच कर्ता श्री ए०के० सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधाशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पन्नावली की जाँच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री करम सिंह, निवासी आदर्श कॉलोनी, मकान नम्बर बी 40, रुद्रपुर, जिला ऊधमसिंह नगर को दिनांक 27-10-2007 को नोटिस जारी किया गया जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या यूए०६बी-6542 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

कार्यालय, उप सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 192/कर-पंजीयन/एनएल-02-ए-9135/07-कार्यालय अभिलेखानुसार श्री हीरा लाल पुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद एवं श्री एहसान खान पुत्र श्री हनीफ़ मियाँ, नि०-वार्ड न०-13, किच्छा, ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या एनएल-02-ए-9135 के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चैसिस नम्बर-384052896751 तथा इंजन नम्बर-692 डी 02937621 है, की जाँच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधाशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पन्नावली की जाँच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री हीरा लाल पुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद एवं श्री एहसान खान पुत्र श्री हनीफ़ मियाँ, नि०-वार्ड न०-13, किच्छा, ऊधमसिंह नगर को दिनांक 30 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या एनएल-02-ए-9135 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 193/कर-पंजीयन/यूए-06-ए-6714/07-कार्यालय अभिलेखानुसार श्री जगमोहन बाघवा पुत्र श्री चौधरी राम, नि०-ग्राम व पो०-खानपुर न०-1 पूरब, रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या यूए-06-ए-6714 (पुराना पंजीयन नम्बर-एनएल-05-ए-6168) के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चेसिस नम्बर-4 ईसी 80304105 तथा इंजन नम्बर-403162328 है, की जांच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधांशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पत्रावली की जांच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री जगमोहन बाघवा पुत्र श्री चौधरी राम, नि०-ग्राम व पो०-खानपुर न०-1 पूरब, रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर को दिनांक 25 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या यूए-06-ए-6714 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 194/कर-पंजीयन/यूए-06-9633/07-कार्यालय अभिलेखानुसार श्री बलकार सिंह पुत्र श्री बुद्ध सिंह, नि०-वैती फार्म, काशीपुर, ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या यूए-06-9633 (पुराना पंजीयन नम्बर-एनएल-05-ए-9228) के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चेसिस नम्बर-344052123265 तथा इंजन नम्बर-692 डी 22865126 है, की जांच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधांशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पत्रावली की जांच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री बलकार सिंह पुत्र श्री बुद्ध सिंह, नि०-वैती फार्म, काशीपुर, ऊधमसिंह नगर को दिनांक 27 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या यूए-06-9633 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 195/कर-पंजीयन/एनएल-05-ए-9209/07-कार्यालय अभिलेखानुसार श्री मो० हुसैन पुत्र श्री इमामी, नि०-ग्राम शिमलपुरा, साहदौरा, किष्का, ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या एनएल-05-ए-9209 के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चेसिस नम्बर-364052890608 तथा इंजन नम्बर-692 डी 02926807 है, की जांच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधांशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पत्रावली की जांच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री माखन सिंह पुत्र श्री जीत सिंह, नि०-वार्ड न०-7 चिन्तामजस सितारगंज, ऊधमसिंह नगर को दिनांक 30 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या एनएल-05-ए-9209 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 196/कर-पंजीयन/एनएल-05-ए-9558/07-कार्यालय अभिलेखानुसार श्री कुलविन्दर सिंह पुत्र श्री हरि सिंह, नि०-बण्डिया किच्चा, ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या एनएल-05-ए-9558 के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चेसिस नम्बर-364052752801 तथा इंजन नम्बर-692 डी 02805902 है, की जांच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधाशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पत्रावली की जांच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री कुलविन्दर सिंह पुत्र श्री हरि सिंह, नि०-बण्डिया किच्चा, ऊधमसिंह नगर को दिनांक 30 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या एनएल-05-ए-9558 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 197/कर-पंजीयन/एनएल-05-ए-9515/07-कार्यालय अभिलेखानुसार श्री जसवीर सिंह पुत्र श्री घानन सिंह, नि०-नैनीताल रोड, किच्चा, ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या एनएल-05-ए-9515 के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चेसिस नम्बर-360324 जे०वी०क्यू० 720918 तथा इंजन नम्बर-697 डी 22 जे०वी०क्यू० 759554 है, की जांच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधाशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पत्रावली की जांच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री जसवीर सिंह पुत्र श्री घानन सिंह, नि०-नैनीताल रोड, किच्चा, ऊधमसिंह नगर को दिनांक 30 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या एनएल-05-ए-9515 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 198/कर-पंजीयन/एनएल-02-ए-9142/07-कार्यालय अभिलेखानुसार श्री शराफत अली पुत्र श्री शौकत अली एवं श्री इरफान हुसैन, पुत्र श्री प्यारा हुसैन, नि०-वार्ड न०-7, किच्चा, ऊधमसिंह नगर एवं खेड़ा, रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या एनएल-05-ए-9142 के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चेसिस नम्बर-303052279578 तथा इंजन नम्बर-692 डी 02287280 है, की जांच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधाशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पत्रावली की जांच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री शराफत अली पुत्र श्री शौकत अली एवं श्री इरफान हुसैन पुत्र श्री प्यारा हुसैन, नि०-वार्ड न०-7, किच्चा, ऊधमसिंह नगर एवं खेड़ा, रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर को दिनांक 30 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या एनएल-05-ए-9142 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 199/कर-पंजीयन/यूए-06-9577/07-कार्यालय अभिलेखानुसार श्री नवाब जान पुत्र श्री शौकत, नि०-रेलवे स्टेशन रोड, बाजपुर, ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या यूए-06-9577 (पुराना पंजीयन नम्बर-एनएल-05-ए-9541) के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चेसिस नम्बर-364052329637 तथा इंजन नम्बर-692 डी 02339545 है, की जांच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधांशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पत्रावली की जांच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री नवाब जान पुत्र श्री शौकत, नि०-रेलवे स्टेशन रोड, बाजपुर, ऊधमसिंह नगर को दिनांक 25 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या यूए-06-9577 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 200/कर-पंजीयन/एनएल-02-ए-9279/07-कार्यालय अभिलेखानुसार श्री माखन सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह, नि०-वार्ड नं०-7 चिन्तामजरा सितारगंज, ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या एनएल-02-ए-9279 के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चेसिस नम्बर-364073877614 तथा इंजन नम्बर-692 डी 01906754 है, की जांच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधांशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पत्रावली की जांच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री माखन सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह, नि०-वार्ड नं०-7 चिन्तामजरा सितारगंज, ऊधमसिंह नगर को दिनांक 30 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या एनएल-02-ए-9279 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 201/कर-पंजीयन/एनएल-02-ए-9606/07-कार्यालय अभिलेखानुसार श्री सुरजीत सिंह, पुत्र श्री मोहन सिंह, नि०-मजरा मिलख, किच्छा, ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या एनएल-02-ए-9606 के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चेसिस नम्बर-373011 जीटीक्यू 118122 तथा इंजन नम्बर-897 डी 23 जीटीक्यू 708108 है, की जांच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधांशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पत्रावली की जांच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, नि०-मजरा मिलख, किच्छा, ऊधमसिंह नगर को दिनांक 30 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या एनएल-02-ए-9606 का पंजीयन चिन्ह निरस्त किया जाता है।

13 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 202/कर-पंजीयन/यूए-06-8523/07-कार्यालय अगिलेखानुसार श्रीमती खौरनिशा पत्नी श्री रियाज अहमद, नि०-नगला डेरी फार्म, जनपद ऊधमसिंह नगर जो कि वाहन संख्या यूए-06-8523 (पुराना पंजीयन नम्बर-एनएल-05-ए-1892) के पंजीकृत स्वामी हैं, जिसका चेसिस नम्बर-616 एफडी 308704 तथा इंजन नम्बर-616969009984 है, की जांच परिवहन आयुक्त (प्रशासन), देहरादून एवं श्री सुधाशु गर्ग, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश द्वारा उपरोक्त वाहन की पत्रावली की जांच एवं नागालैण्ड राज्य से प्राप्त सत्यापन आख्या का मिलान करने पर यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल रूप से नागालैण्ड राज्य में पंजीकृत वाहन एवं इस कार्यालय में पंजीकृत वाहन के विवरण भिन्न हैं एवं वाहन का पंजीयन फर्जी प्रपत्रों के आधार पर कराया गया है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर वाहन स्वामी श्रीमती खौरनिशा पत्नी श्री रियाज अहमद, नि०-नगला डेरी फार्म, जनपद ऊधमसिंह नगर को दिनांक 27 अक्टूबर, 2007 को नोटिस जारी किया गया, जिसका कोई उत्तर वाहन स्वामी द्वारा नहीं दिया गया। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि उक्त वाहन के प्रपत्र नियमानुसार नहीं हैं।

अतः श्री एस० के० सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी के अनुमोदन आदेश के अनुपालन में एतद्द्वारा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 55 (5) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए वाहन संख्या यूए-06-8523 का पंजीयन विन्ध निरस्त किया जाता है।

पंजीयन अधिकारी,
मोटर वाहन विभाग,
ऊधमसिंह नगर।